

मॉलिक्युलर डायग्नोस्टिक्स समाधानों पर वार्ता का आयोजन

इंदौर। जेनोमिक्स आधारित डायग्नोस्टिक्स और शोध में विश्व की अग्रणी कंपनी, मेडजिनोम और सेंट्रल लैब्स, इंदौर ने सॉलिड ट्यूमर्स में मॉलिक्युलर बायोमार्कर्स खोजने और इसकी चुनौतियों व एचएलए (ह्यूमन ल्यूकोसाइट एंटीजेंस) टाईपिंग व शिमरिज़्म में नए फ्रंटियर्स पर एक मेहमान वार्ता का आयोजन किया। इस सिंपोसियम में डॉ. सक्तिवेल मुरुगन एसएम, एसोशिएट डायरेक्टर- डायग्नोस्टिक्स, मेडजिनोम और डॉ. जमील अहमद खान, सीनियर साईटिफिक अफेयर्स मैनेजर, मेडजिनोम के द्वारा चर्चा की गई। इस सिंपोसियम में शहर के अग्रणी ऑन्कोलॉजिस्ट, हीमेटोलॉजिस्ट, जनरल फिजिशियंस और चेस्ट फिजिशियंस ने हिस्सा लिया। मेडजिनोम के सीनियर साईटिफिक अफेयर्स मैनेजर, डॉ. जमील अहमद खान ने सॉलिड ट्यूमर्स के लिए क्लिनिकल डिजीजनमेंटिंग में सुधार करने के लिए मॉलिक्युलर डायग्नोस्टिक्स समाधानों के बारे में कहा, “कैंसर के लिए डायग्नोसिस और उपचार की विधियां तेजी से बदल रही हैं। डॉ. जमील ने आगे कहा कि इन दिनों कैंसर का इलाज पहले से ज्यादा सफल हो रहा है, जिसके साइड इफेक्ट भी कम हैं, बचने व इलाज की संभावना ज्यादा है। कुछ मामलों में ज्यादा जोखिम वाले लोगों में उनके जीन की कमी के चलते जांच में कैंसर होने की संभावनाओं का पूर्व अनुमान लगाना भी संभव हो गया है। डॉ. सक्तिवेल मुरुगन एसएम, एसोशिएट डायरेक्टर- डायग्नोस्टिक्स, मेडजिनोम ने एचएलए टाईपिंग स्ट्रेसिंग के बारे में बताया कि सफल प्रत्यारोपण कई चीजों पर निर्भर है।